Module No. 13

टपरी : परिचय

Duration : 02.11 Transcribed words : **418**

- संगीत -

00.07 सौरभ बापना : मेरा नाम सौरभ बापना है... मैं झीलों की नगरी उदयपुर राजस्थान से ताल्लुक रखता हूँ...

00.13 अंकित बोहरा : मेरा नाम अंकित बोहरा है... मैं उदयपुर से हूँ... मेरी स्कूलिंग, कॉलेज उदयपुर से है... उसके बाद मैं एम. बी. ए. करने के लिये मुम्बई था... हम लोग जब एम. बी. ए. कर रहे थे तो एक बिजनेस आईडिया सब्मिशन था, बिजनेस आईडिया का कम्पीटीशन था... तो हम लोग वो ही आईडिया डिसकस कर रहे थे कि क्या आईडिया दें... तो पास में चाय की दुकान थी... तो हम लोग चार पाँच दोस्त बैठ गये और आईडिया डिसकस कर रहे थे अलग अलग... तो तभी एक आईडिया इनपुट हुआ कि क्यों ना साला ये ही, इसी चाय की दुकान को ऑरगेनाईज कर लें... और इसी को स्टार्ट कर दें...

00.43 सौरभ बापना : मेरी चाय की दुकान का नाम टपरी है... टपरी का मतलब होता है, बेसिकली इट्स ए, गाँव का शब्द है ये... जब फार्मर खेती करकर आता है और जब वो विश्राम करता है... विश्राम करता है और जब वो अपना भोजन लेता है... तो एक वो कच्ची छत के नीचे बैठ के विश्राम और भोजन लेता है... तो वो कच्ची छत को टपरी बोला जाता है...

01.04 अंकित बोहरा : और आज दो आऊटलेट हैं हम लोगों के... चाय के अंदर काफी तरह की चीजें हैं... जैसे कि चालीस तरह की चाय हैं, स्नैक्स हैं... वडा पाव हो गया, सैंडविच हो गया, मस्का बन हो गया... या चाय जैसे कि अलग अलग जगह की है... पुष्कर की है, थड़ी नाथद्वारा है... आईस टीज हैं, हिबस्कस हैं... और इसके साथ में हम लोग फिर चाय की पत्तियाँ और टी एसेसेरीज भी ऑफर करते हैं...

01.28 सौरभ बापना : दूसरे शहरों में भी हम चाय की जो सौगात है, जो हम चाय के फ्लेवर्स लोगों को यहाँ पर, जयपुर शहर में प्रोवाईड कर रहे हैं, वो दूसरे शहरों में भी हम इसको मल्टीपल करना चाहेंगे...

01.38 - संगीत -

01.39 अंकित बोहरा :

जवान एक सोच है
जवान ही तो जोश है
अगर जवान खून तो
जवान सरफरोश है
जवान तुम, महान तुम,
निर्माण और कल्याण तुम,
पहचान हो तुम आज की,
तो कल का संविधान तुम
तू मौज में, तू फौज में
तू हर गली, हर खोज में,
संगीत तुम, विद्वान तुम,
हर कला के कलाकार तुम,
व्यापार में, विज्ञान में,
हर खेल और खलियान में,
विख्यात तुम, प्रणाम तुम,
सवाल तुम, जवाब तुम,
जवान तुम, जवान चुन
जवान तुम, जवान चुन।।